डेफएक्सपो-2022

प्रलिम्सि के लयि:

रक्षा क्षेत्र में आत्मनरि्भरता, मेक इन इंडया, IADD, हदि महासागर क्षेत्र प्लस कॉन्क्लेव।

मेन्स के लयि:

डेफएक्सपो-2022, इसके उद्देश्य और महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

डेफएक्सपो-2022 का 12वाँ संस्करण गुजरात के गांधीनगर में आयोजति कयिा जा रहा है।

- डेफएक्सपो का 11वाँ संस्करण **वर्ष 2020 में लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में आयोजति कयिा गया था।**

डेफएक्सपो-2022:

- **परचिय:**
  - डेफएक्सपो **रक्षा मंत्रालय का एक प्रमुख द्ववािर्षकि कार्यक्रम** है, जसिमें स्थल, जल तथा वायु रक्षा प्रणालयिों के साथ-साथ घरेलू सुरक्षा प्रणालयिों का प्रदर्शन कयिा जाता है।
  - यह पहली बार चार-स्थल प्रारूप (four-venue format) में आयोजति कयिा जा रहा है जसिमें रक्षा में 'आत्मनरि्भरता' के लयि, लोगों को संलग्न करने और उन्हें एयरोस्पेस और रक्षा नरि्माण क्षेत्र में शामलि होने के लयि प्रेरति करना शामलि है।
  - इसका उद्देश्य **घरेलू रक्षा उद्योग की ताकत का प्रदर्शन करना है जो अब सरकार और राष्ट्र के 'मेक इन इंडया, मेक फॉर द वर्ल्ड' संकल्प को मज़बूती प्रदान कर रहा है।**
  - यह वशिष रूप से भारतीय कंपनयिों के लयि पहला संस्करण है।
- **थीम: गर्व का मार्ग।**

प्रमुख बदिु:

- यह **भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता (IADD)** के दूसरे संस्करण की मेज़बानी करेगा, जसिमें 53 अफ्रीकी देशों को आमंत्रति कयिा जाएगा।
  - भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता, क्षमता नरि्माण, प्रशक्षिण, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों सहति आपसी जुड़ाव के लयि अभसिरण के नए क्षेत्रों का पता लगाएगा।
  - अफ्रीका के प्रतभिारत का दृष्टकिोण **कंपाला सद्धिांतों** द्वारा नरि्देशति है।
- लगभग 40 देशों की भागीदारी के साथ अलग हदि महासागर क्षेत्र प्लस (IOR+) सम्मेलन में भारत अपने सैन्य हार्डवेयर को वभिन्नि देशों में पेश करेगा।
- यह सात नई रक्षा कंपनयिों के गठन के एक वर्ष के उत्सव को भी चहि्नति करेगा, जो पूर्ववर्ती आयुध कारखानों से बनी हैं।
  - ये सभी कंपनयिाँ पहली बार डेफएक्सपो में भाग लेंगी।

आत्मनरि्भर भारत अभयिान के तहत रक्षा क्षेत्र में सुधार:

- **FDI सीमा में संशोधन:** स्वचालति मार्ग के तहत रक्षा वनिरि्माण में FDI की सीमा 49% से बढ़ाकर 74% कर दी गई है।
- **परयिोजना प्रबंधन इकाई (PMU)**: सरकार से एक परयिोजना प्रबंधन इकाई (अनुबंध प्रबंधन उद्देश्यों के लयि) की स्थापना के साथ समयबद्ध रक्षा उपकरणों की खरीद और त्वरति नरि्णय लेने की उम्मीद की जाती है।
- **रक्षा आयात में कमी:** सरकार आयात के लयि प्रतबिंधति हथयिारों/प्लेटफॉर्मों की एक सूची अधसिूचति करेगी और इस प्रकार ऐसी वस्तुओं को केवल घरेलू बाज़ार से ही खरीदा जा सकता है।

    - घरेलू पूंजीगत खरीद के लिये अलग से बजट प्रावधान।
- **आयुध निर्माण बोर्ड का नगिमीकरण:** इसमें कुछ इकाइयों की सार्वजनकि सूची शामलि होगी, जो डज़िाइनर और अंतमि उपयोगकर्त्ता के साथ वनिर्मिाता के अधकि कुशल इंटरफेस को सुनश्चिति करेगा।

स्रोत: द हदि

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/defexpo-2022-1